सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब

CCRT Cultural Club

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

Centre for Cultural Resources and Training

प्रकाशक : निदेशक, सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
15ए, सेक्टर-7, द्वारका
नई दिल्ली (भारत)

Published by : Director
Centre for Cultural Resources and Training
15A, Sector-7, Dwarka
New Delhi (India)

Printed at M/s Creative Offset, New Delhi

© Centre for Cultural Resources and Training, 2023

योजना
Scheme

विद्यालयों में सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब
CCRT Cultural Club in Schools

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
Centre for Cultural Resources and Training
(Ministry of Culture, Government of India)

प्रस्तावना

स्कूली पाठ्यक्रम पर आयोजित विस्तृत चर्चाओं में, सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों जैसे नृत्य, नाट्य, संगीत, दृश्य–कलाएँ, साहित्य इत्यादि पर प्रायः कम ध्यान दिया गया। यद्यपि इस संबंध में स्थिति सुधर रही है और स्कूलों में सांस्कृतिक शिक्षा देने हेतु समर्थन पाने के लिये विशेष प्रयास करने की आवश्यकता नहीं रही है। सांस्कृतिक शिक्षा, शिक्षा की एक ऐसी प्रणाली की आवश्यकता से उत्पन्न होती है, जो शैक्षिक मार्गदर्शन के अत्यधिक जुड़ाव की अपेक्षा समकालीन सामाजिक परिस्थितियों और युवाओं तथा बच्चों की कक्षा शिक्षण पर आधारित विविध एवं स्थायी आवश्यकताओं दोनों को सम्मिलित किये हुए होती है।

मेरा हमेशा से यह विश्वास रहा है कि प्रत्येक को विश्व नागरिक बनने के लिये अपनी संस्कृति एवं विरासत से दृढ़ता से जुड़ा होना चाहिये ।

भारतीय संस्कृति की समृद्धता एवं विविधता, इसकी 10,000 वर्ष पूर्व की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक निरन्तरता, एवं असंख्य अभिव्यक्तियों को बचाये रखने की परम आवश्यकता है।

सीसीआरटी का प्रमुख ध्येय भारतीय सांस्कृतिक विरासत का विकास, संरक्षण एवं शैक्षिक प्रचार–प्रसार करना है। इस ध्येय को ध्यान में रखते हुए सीसीआरटी ने विद्यालयों में सांस्कृतिक क्लब की स्थापना करने का कार्य शुरू किया है।

सांस्कृतिक क्लबों के माध्यम से हमारे उद्देश्य हैं –

- विद्यार्थियों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में ज्ञान अर्जित करने के लिये प्रेरित करना ।
- विद्यार्थियों को भारतीय कला और संस्कृति के प्रति संवेदनशील बनाना ।
- भारतीय परम्पराओं की निरन्तरता के प्रति आदरभाव विकसित करना ।
- कार्ययोजनाओं के द्वारा विद्यार्थियों का संस्कृति की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु सशक्तीकरण कर उन्हें हमारी धरोहर का संरक्षक बनाना ।

इस प्रकार सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब वो झरोखे हैं, जिनके द्वारा आप अपनी धरोहर में झाँक सकते हैं, उसका हिस्सा बनकर उसे भली–भांति समझ सकते हैं और भावी पीढ़ियों के लिये उसे सुरक्षित रखने के तरीके खोज सकते हैं ।

चूँकि शिक्षा का अंतिम उद्देश्य संभवतः हम सबको एक अच्छा इंसान बनाना है, इसलिये सीसीआरटी परिवार आप सभी को सांस्कृतिक क्लब की इस महत्त्वपूर्ण योजना में शामिल होने और इसके गौरवान्वित सदस्य बनने हेतु आमंत्रित करता है।

निदेशक
सीसीआरटी

Preface

In the widespread discussions which have been taking place about the school curriculum, the cultural manifestations — dance, drama, music, visual arts, literature — have been given less attention. Though the situation is improving, and the advocacy for the Cultural Education in schools does not amount to special pleading 'It' derives from the need for a system of education which takes account for both of contemporary social circumstances and of the perennial and varied need of children and young people for a broad-based curriculum rather than one which is too occupied with academic learning.

I have always believed that one needs to be firmly rooted to one's own culture and heritage to be a global citizen.

The richness and variety of Indian culture, the 10,000 years of its history and the cultural continuity in it, myriad forms of traditions need to be preserved.

The promotion, preservation and dissemination of information on India's cultural heritage has been the prime concern of this Centre (CCRT). With this objective in mind, the CCRT has undertaken the task of setting up CULTURAL CLUB IN SCHOOLS.

Through the Cultural Clubs, we aim at:

- motivating school children to acquire knowledge about India's rich cultural heritage
- sensitizing them towards appreciation of Indian Arts
- developing a sense of respect towards continuity of traditions
- empowering children to undertake action-projects to conserve and preserve culture and become custodians of our heritage

Thus CCRT Cultural Clubs are like little windows through which you can peep into one's heritage, become part of it, understand it better probably and devise ways to preserve it for future generations.

Since the ultimate goal of education probably is to make all of us better HUMAN BEINGS, the CCRT family invites one and all to join this prestigious scheme of Cultural Clubs and become its proud members.

Director
CCRT

I. सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब क्या है ?

सांस्कृतिक क्लब ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी स्वयं को भारत की सांस्कृतिक धरोहर के बारे में और अधिक जानकारी के लिये संगठित कर सकते हैं।

शिक्षकों के लिये यह भारतीय कलाओं के प्रति उन्हें जागृत कर उनमें इनके लिये सम्मान एवं सराहना उत्पन्न करने का एक माध्यम है। साथ ही इसमें विद्यार्थियों को कार्य योजनाओं द्वारा भारतीय सांस्कृतिक परम्पराओं के **संरक्षण** के लिये प्रेरित करना भी निहित है ।

सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब छात्रों का, छात्रों के लिये एवं छात्रों के द्वारा संचालित है।

I. What is a CCRT Cultural Club?

A Cultural Club is a means by which school students can organize themselves to learn more about India's Cultural Heritage.

For teachers it is a tool to create awareness, develop respect and appreciation towards Indian arts. And also motivate school students to undertake action-projects to **conserve** Indian Cultural traditions.

CCRT Cultural Club is of the students, for the students and by the students.

II. इसके संघटक क्या हैं ?

(क) कितने शिक्षक सम्मिलित किये जाने चाहिये ?

एक शिक्षक–प्रभारी और एक अन्य सहायक–शिक्षक/सह–शिक्षक, ताकि किसी एक की अनुपस्थिति में भी क्लब की गतिविधियाँ लगातार चलती रहें।

शिक्षक–प्रभारी या सह–शिक्षक के स्थानांतरण अथवा उनके सेवानिवृत होने की स्थिति में प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक इस केन्द्र (सीसीआरटी) को सूचित करते हुए उनके स्थान पर किसी अन्य शिक्षक की नियुक्ति करेंगे ।

(ख) कितने छात्र मिलकर सांस्कृतिक क्लब का गठन कर सकते हैं ?

न्यूनतम : 20 अधिकतम : 50 (IV से XI कक्षा तक)

(ग) सांस्कृतिक क्लब हेतु शिक्षकों एवं छात्रों का चुनाव किस प्रकार किया जा सकता है?

कोई भी शिक्षक/छात्र जो क्लब की गतिविधियों में भाग लेने को उत्साहित हो, इसका सदस्य बन सकता है। शिक्षक, छात्रों के विषय में पूर्व जानकारी तथा अपने विवेक के अनुरूप निर्णय लेकर सदस्यों का चयन कर सकते हैं ।

II. What is its Composition?

a) ***How many teachers should be involved?***

One Teacher-in-Charge and one more as a support Teacher/Co-Teacher, so that in the absence of one, its activities can be continued.

Consequent upon the transfer of Teacher-in-Charge or Co-teacher or their retirement the Principal/ Headmistress would appoint a substitute under intimation to this Centre (CCRT).

b) ***How many students can form a Cultural Club?***

Minimum	20	**From Classes IV to XI**
Maximum	50	

c) ***How can teachers and students be selected for a Cultural Club?***

Any teacher/student who is enthusiastic about understanding and willing to participate in its activities can be a member. Teacher(s) can use his/her judgement and prior knowledge about the students while selecting members.

III. सांस्कृतिक क्लब की पहचान

(क) प्रथम बैठक में क्लब के सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक क्लब के **नाम** का चयन होना चाहिये।

यह नाम क्षेत्र–विशेष को प्रतिबिम्बित करने वाला होना चाहिये अथवा किसी महान नेता (मरणोपरान्त / प्रसिद्ध साहित्यकार / प्रसिद्ध कलाकार, इत्यादि) के नाम से जुड़ा होना चाहिये। कृपया ध्यान रखें कि नाम किसी राजनैतिक दल से सम्बद्ध नहीं होना चाहिये। क्लब का नाम रखने से पहले सीसीआरटी की पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त करना **अनिवार्य** है।

(ख) क्लब का अपना **लोगो / प्रतीक चिह्न** क्लब के सदस्यों द्वारा ही तैयार किया हुआ होना चाहिये, जिसका उपयोग क्लब के बैज़ / बुलेटिन बोर्ड / स्टेशनरी फोटो एवं सीडी इत्यादि पर होगा। (इस हेतु विद्यालय के चित्रकला / कला शिक्षक से सम्पर्क / परामर्श किया जा सकता है) ।

(ग) क्लब–सदस्य स्वयं अपना **बैज़** तैयार कर सकते हैं। (चित्रकला एवं कला शिक्षक के परामर्श से डिजाइन तैयार कर सकते हैं) ।

(घ) क्लब के सदस्य अपना **क्लब गीत** एवं **विशेष प्रतिज्ञा** लिख सकते हैं, जिसे प्रत्येक अवसर पर गाया और पढ़ा जा सकता है ।

III. Cultural Club's Identity

a) Cultural Club should have a **name** selected by its club members in the First Meeting.

The name should reflect the region specific or may be named after a great leader (posthumously/famous literary figure/famous artist, etc.) Kindly note that name should not have any political affiliations. Prior permission for the approval of name for the Cultural Club from CCRT is **mandatory**.

b) Cultural Club should have its own **logo/symbol** designed by its members which should appear on all items like badge/bulletin board/banners, Stationary items, Photos, CD's, pamphlets, etc.

(Drawing/Art Teacher of the school may be consulted for the design)

c) Club members can design their own **badge**. (Drawing/Art Teacher of the school may be consulted for the design)

d) Club members can write their own **Club song** and **pledge** which can be sung or read on every occassion.

IV. सांस्कृतिक क्लब का प्रबंधन कैसे करें ?

(क) सांस्कृतिक क्लब का प्रबंधन

- प्रधानाचार्य / प्रधानाध्यापक 'मुख्य संरक्षक अध्यक्ष' के रूप में कार्य करेंगे और क्लब का मार्गदर्शन करेंगे।
- शिक्षक प्रभारी और सह–शिक्षक छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए समन्वयकों के रूप में कार्य करेंगे ।

सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब छात्रों का छात्रों के लिये, छात्रों के द्वारा संचालित है।

सदस्यों में से छात्र संघ का चुनाव / चयन कर सकते हैं जिसमें निम्नलिखित पदाधिकारी सम्मिलित होंगेः

- सभापति – बैठकें बुलाना और आयोजित करना ।
- सचिव – बैठकों के कार्यवृत्त रिकॉर्ड का रखरखाव करना,
- कोषाध्यक्ष – लेखा–दस्तावेजों का रिकार्ड रखना ।
- समन्वयक – सामग्री / उपकरण, इत्यादि का रखरखाव ।

प्राथमिक विद्यालय के सन्दर्भ में कक्षा IV अथवा V से विद्यार्थी या शिक्षक प्रभारी / सह–शिक्षक भी कोषाध्यक्ष के कार्य का निर्वाह कर सकते हैं।

(ख) सांस्कृतिक क्लब की गतिविधियों / बैठकों के लिये कितना समय आवश्यक है?

प्रत्येक सप्ताह में न्यूनतम दो पीरियड, जो कि शून्य काल / खाली पीरियड / प्रातःकालीन सभा समय / स्कूल के बाद / समाजोपयोगी उत्पादक कार्य / कार्यानुभव / कला / शिल्प पीरियड हो सकते हैं ।

IV. How to Manage Cultural Club?

a) ***Management of Cultural Club***

- The Principal/Headmistress will act as Chief Patron and extend his/her guidance.
- Teacher-in-Charge and Co-Teacher will function as Co-coordinators encouraging students.

CCRT Cultural Club is of the students, for the students and by the students.

Amongst the members you may elect/nominate a Student Body comprising:

- President - Calls and conducts meetings
- Secretary - Maintains records of minutes of meetings
- Treasurer - Keeps Accounts.
- Coordinator - Maintains material/equipment, etc.

In case of primary school, students from class IV or V can act as a Treasurer or the Teacher in-charge T.C./co-teacher can be the Treasurer.

b) ***How much time is required for Cultural Club activities/meeting?***

Atleast 2 periods per week which can be Zero Period/Free Periods/Morning Assembly Time/After School/SUPW/WE/Art/Craft Periods.

V. सांस्कृतिक क्लब के लिये निधि और लेखा समायोजन

(क) सीसीआरटी प्रारम्भ में एक शैक्षिक सत्र (वित्तीय वर्ष 01 अप्रैल से 31 मार्च) हेतु रुपये 7500/–की वित्तीय सहायता विद्यालय को उपलब्ध करायेगी।

(ख) सांस्कृतिक क्लब की गतिविधियों के सफल संचालन की स्थिति में अगले चार वर्षों के लिये प्रत्येक वित्त वर्ष के प्रारम्भ में रुपये 7500/– की वार्षिक अनुदान राशि जारी की जायेगी ।

विद्यालय में सांस्कृतिक क्लब की योजना के कार्यान्वयन के सन्दर्भ में गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट भेजना **आवश्यक** है।

अनुवर्ती वर्षों में अनुदान प्राप्त करने के लिये सांस्कृतिक क्लब की विस्तृत छमाही रिपोर्ट (यथासम्भव ई–मेल द्वारा) सीसीआरटी को उस वित्तीय वर्ष की 31 मार्च तक भेजनी होगी। छमाही रिपोर्ट का प्रपत्र सीसीआरटी वेबसाइट **(www.ccrtindia.gov.in)** पर 'डाउनलोड फार्म्स' उपलब्ध है।

(ग) तीन वर्षों के पश्चात् सांस्कृतिक क्लब की गतिविधियों की समीक्षा एक समन्वयक ऐजेंसी/नोडल ऐजेंसी अथवा समिति द्वारा की जायेगी और उसकी रिपोर्ट के आधार पर आगामी अनुदान जारी किया जायेगा ।

V. Funds for Cultural Club and Rendering of Account

a) CCRT will provide a financial assistance of Rs.7500/- initially for one academic session. (April 01 to March 31)

b) In case the Cultural Club functions successfully, the annual grant of Rs.7500/- will be released for another four consecutive years in the beginning of each Financial Year.

A detailed report of the activities conducted through out the year **is mandatory** as part of implementation of CCRT's Cultural Club Scheme in the Schools.

However, for the release of grants, for the subsequent years the Cultural Club will have to send six monthly detailed REPORTS (preferably through e-mail) by March 31 to CCRT. The report form is available in CCRT's website (www.ccrtindia.gov.in) under 'downloads'.

c) After three years, a "Review" of Cultural Club activities of the particular school will be done through a Co-ordinating Agency/Nodal Agency or Committee and on its report further grants will be released by the CCRT.

सामान्यतः प्रत्येक वित्त वर्ष के अप्रैल माह में उस वर्ष हेतु वित्तीय सहायता राशि जारी की जायेगी। जिसका हिसाब आगामी वर्ष 31 मार्च तक प्रतिवर्ष बिना किसी चूक के शिक्षक प्रभारी, सह–शिक्षक और प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक द्वारा हस्ताक्षरित ''उपयोगिता प्रमाण–पत्र'' के माध्यम से लेखा–जोखा सीसीआरटी भेजा जायेगा ।

वार्षिक अनुदान राशि के खर्च हेतु बजट मदें:

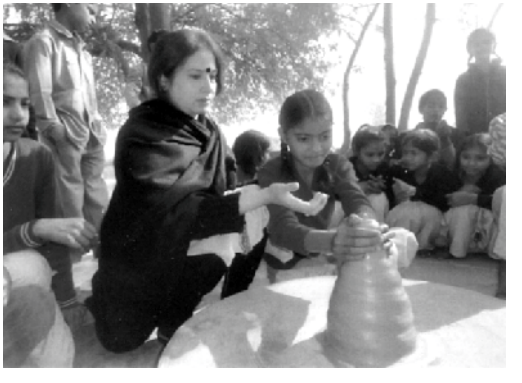

- कलाकारों/व्याख्याताओं/प्रयोगात्मक सत्रों हेतु रु. 150/– की दर पर, 3 से 4 विशेषज्ञों हेतु मानदेय
- स्टेशनरी सामग्री
- सांस्कृतिक क्लब की गतिविधियों हेतु बुलेटिन बोर्ड/नोटिस बोर्ड/बैनर/सांस्कृतिक क्लब बोर्ड, नाम एवं प्रतीक चिह्न सहित।
- बैजेस्/पैम्पलेट्स (रूल शीट्स सांस्कृतिक क्लब के प्रतीक चिह्न सहित)
- फोटोग्राफ्स/सी.डी.

विविध प्रतियोगिताओं, पदयात्रा, अभियान हेतु पुरस्कार जैसे प्रकृति/संस्कृति पर समर्पित लघु पुस्तिकाएँ/ पोस्टर / पर्यावरणीय गतिविधि हेतु पौधे इत्यादि।

The financial assistance will be released sometime in the month of April/July of a particular financial year and accounts to be rendered by next March 31, every year without fail through a 'Utilization Certificate' signed by Teacher Incharge, co-teacher *and* the Principal/ Headmistress.

Budget heads for the expenditure of Annual Grant.

- Token honorarium for craft classes/lectures/Practical classes to experts @ Rs 150/- to 3 to 4 experts
- Stationary items
- Bulletin Board, Notice Board/Banner, Cultural Club Board with the Name, logo, etc. for the activities of the Cultural Club.
- Badges and Pamphlets (Rule sheets with Cultural Club Logo)
- Photographs/CD's.

Prizes for competitions, campaigns, *padayatras*, etc. in the form of potted plants, posters and small booklets on nature/culture.

अनुदान राशि को निम्न हेतु उपयोग नहीं करें :–

(1) शैक्षिक भ्रमण हेतु ।
(2) लेमिनेशन हेतु ।
(3) साज–सामान किराये अथवा खरीदने हेतु (जैसे वस्त्राभूषण, शामियाना, फर्नीचर, इत्यादि)।
(4) बस / टैक्सी / वाहन / संगीतवाद्य / उपकरण, इत्यादि किराये पर लाने हेतु ।
(5) शिक्षक / शिक्षिकाओं के मानदेय हेतु ।
(6) किसी भी प्रकार के जलपान / अल्पाहार हेतु ।
(7) फूलों का गुलदस्ता / गुच्छा क्रय करने हेतु।
(8) वीडियोग्राफी / पी.ए. सिस्टम।
(9) उपहार (मेहमानों हेतु)।

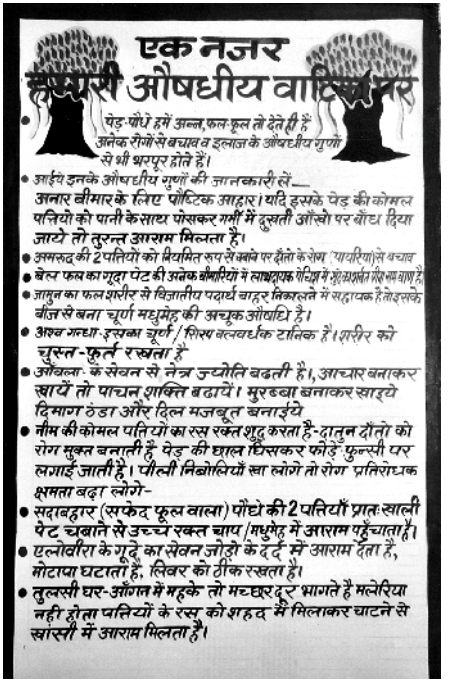

THE GRANT SHOULD NOT BE USED FOR :-

i) Excursion
ii) Lamination
iii) Purchase/Hiring of equipment/ costumes/ *shamiana*/ furniture etc.
iv) Hiring of bus/taxi/vehicle, musical instruments etc.
v) Honorarium to Teachers.
vi) Refreshment
vii) Bouquet, etc.
viii) Videography/P.A Systems.
ix) Gifts (for guests, speakers)

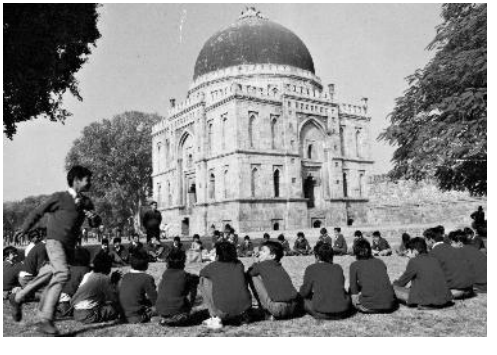

VI. क्लब की गतिविधियाँ / सदस्यों के कार्य

सांस्कृतिक क्लब के सभी सदस्य निम्नलिखित कार्यों का अनुसरण करेंगे :

(क) सांस्कृतिक क्लब की सभी गतिविधियों में सक्रिय भाग लेना ।

(ख) क्लब की बैठकों के दौरान अन्य विद्यालयों / पड़ोसी समुदाय के साथ, विचारों / सूचनाओं / जानकारियों / स्रोतों एवं ज्ञान का आदान–प्रदान करना ।

(ग) संस्कृति के संरक्षण / संचरण की दिशा में अभियान / पद–यात्रा / धरोहर अथवा विरासत भ्रमण / सांस्कृतिक कार्यक्रम / कार्ययोजना आयोजित करना ।

(घ) सांस्कृतिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण दिवसों को मनाना, जैसे–त्यौहार / उत्सव / मेले / हाट / अन्य कोई विशेष पर्व आदि।

(ङ) क्लब की बैठकों एवं गतिविधियों की रिपोर्ट तैयार करना और उसे स्कूल के शेष छात्रों एवं अन्य लोगों के मध्य जानकारी हेतु संचारित करना एवं सुझाव लेना।

(सीसीआरटी द्वारा निर्धारित मानक सूची संलग्न है और इसमें समृद्धि लाने हेतु आपके विचारों / सुझावों का स्वागत है।)

VI. Club Functions/Duties of Members

All members of the Cultural Club will undertake the following functions:

a) Take active part in all activities of Cultural Club

b) Exchange of ideas/views/information/knowledge/resources, etc. during club meetings to be shared with the rest of the school/neighbouring community.

c) Organise campaigns/*padayatras*/heritage walks/cultural events/action-projects in the direction of preserving/conserving propagating culture.

d) Celebration of Culturally important days like, festivals/fairs/*melas*/*haats*/ ethnic days, etc.

e) Bring out a report of the meetings and activities to be circulated amongst the rest of the school and others to learn from it and also seek suggestions.

(An open-ended list is being provided by CCRT and we would welcome your ideas/suggestions to enrich it further.)

सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब की गतिविधियाँ से कुछ सुझाव

1. भारत के सांस्कृतिक इतिहास का अध्ययन।
2. प्रतिष्ठित विद्वानों के व्याख्यान/वार्ता का आयोजन।
3. स्थानीय धरोहर के अध्ययन पर प्रोजेक्ट कार्य।
4. राजकीय तथा अन्य विद्यालयों के छात्रों तथा समुदाय के लिये श्रव्य–दृश्य कार्यक्रम आयोजित करना।
5. प्राकृतिक विरासत (वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत, नृत्य, नाट्यकला, पुतलीकला, हस्तशिल्प, मौखिक एवं लिखित साहित्य, इत्यादि) पर परियोजनाएँ तैयार करना।
6. स्थानीय ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन।
7. अध्ययन एवं शोध के उद्देश्य से स्थानीय स्मारकों के भ्रमण ।
8. क्षेत्रीय कलाकारों और विद्वानों से साक्षात्कार।
9. पारम्परिक हस्तशिल्प का अध्ययन व प्रयोगात्मक कौशल का विकास।
10. स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रदर्शन (मिट्टी का कार्य, बाँस शिल्प, कपड़ा बुनाई, चित्रकला, कढ़ाई, काष्ठकला, भित्ति– चित्रण, जिल्दसाज़ी, इत्यादि)
11. विभिन्न राष्ट्रीय भाषाओं के गीत, लोकगीत, नृत्य, इत्यादि को सीखना व उनका प्रदर्शन।
12. सीसीआरटी द्वारा निर्मित शैक्षिक सामग्री पर आधारित प्रदर्शनी।
13. देश के सभी भागों के विद्यार्थियों के लाभार्थ शैक्षिक प्रणाली में संवृद्धि।

SOME SUGGESTED ACTIVITIES OF CCRT CULTURAL CLUB

1. Study of India's Cultural History.
2. Arranging talks/lectures by eminent scholars.
3. Undertaking projects to study local heritage.
4. Arranging audio-visual programmes for the government school students, students in other schools and the community.
5. Conducting projects on such topics as: Natural Heritage (Architecture, Sculpture, Painting, Music, Dance, Theatre, Puppetry and Crafts, Oral and written literature etc.).
6. Study of local historical site.
7. Visit to local monuments for the purpose of study and research.
8. Interviews with artists and scholars of the region.
9. Practical skill development in study of traditional crafts.
10. Arranging demonstrations of local artists (clay, cane and bamboo, textile weaving, painting, embroidery, doll making, wood craft, wall decoration, book binding and others).
11. Demonstration and learning of songs in different national languages, folk songs and dances, etc.
12. Exhibition on the educational material provided by the CCRT.
13. Enrichment of the educational system for the benefit of the students in all parts of the country.

14. भारत की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर पर आधारित विषयों पर वाद–विवाद एवं संवाद का आयोजन।

15. भारत के इतिहास, कला तथा अन्य क्षेत्रों में योगदान पर आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन।

16. विद्यालय, पड़ोस के विद्यालय तथा समुदाय हेतु सांस्कृतिक विषयवस्तु पर प्रदर्शनी लगाना।

17. विद्यालय के निकट, संरक्षण प्रोजेक्ट, स्मारकों का अधिग्रहण, पुरातत्व विभाग के अधिकारियों की परामर्श से इमारतों का अध्ययन एवं सर्वेक्षण, स्मारकों की सफाई, सूचना पट तैयार करना, पर्यटकों को जानकारी व निर्देशन देना।

18. विद्यालय परिसर को सुन्दर बनाने के लिये प्रोजेक्ट, वृक्षारोपण, उद्यान, पुष्प पंक्तियों की देखभाल, पशु, पक्षी एवं पौधों का संरक्षण।

19. विद्यालय परिसर को रंगोली, कोलम अथवा अल्पना जैसे कम खर्च वाली कलाओं से सजाना।

20. सांस्कृतिक सूचना पट तैयार करना तथा उसकी देखभाल।

21. पेनपाल योजना (अन्तर्राज्यीय विचारों के आदान प्रदान के लिये)।

22. ज्वलंत सामाजिक मुद्दों पर स्थानीय तौर पर पदयात्रा निकालना।

23. वर्ष में विद्यालय में दो बार ''दादा/दादी, नाना/नानियों का उत्सव'' मनाना।

24. विशेष चुनौती वाले तथा अधिकार वंचित बच्चों को आमंत्रित करना तथा उनके साथ कार्य करना।

25. बच्चों एवं युवा वर्ग से संबंधित पुस्तकों/लेखों की प्रदर्शनी (स्थानीय प्रकाशकों की मदद से भी आयोजित की जा सकती है)।

14. Conducting debates and dialogues on topics, related to India's Natural and Cultural Heritage.

15. Conducting quiz programmes on India's history, arts and contributions in various fields.

16. Putting up exhibitions, based on cultural themes for the schools, neighbouring schools and the community.

17. Projects for conservation work, adoption of historical monuments, near the school, study and survey of the building in consultation with Archaeological Survey of India's Officers, cleaning of monuments, preparing information boards, providing guidance and explanations to visitors.

18. Projects for beautifying school campus, planting of trees, nurturing gardens, flower-beds, protection of animals, birds and plant life.

19. Preparing inexpensive decorations for schools such as *rangoli*, *kolam* and *alpanas*

20. Preparation and maintenance of cultural bulletin board

21. Penpal scheme (inter-state sharing of views)

22. Arranging *Padayatras* locally on important social issues.

23. Organizes 'Grandparents Festival' bi-annually in the school.

24. Invite and work with specially challenged and underprivileged children.

25. Exhibition of books and articles on Children/Youth. (This can be arranged with the collaboration of local/state based publications.)

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र - एक परिचय

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी) की स्थापना मई, 1979 में भारत सरकार के तत्कालीन शिक्षा एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन विद्यार्थियों में संस्कृति के प्रचार–प्रसार की योजना के क्रियान्वयन के निमित्त हुई। आज यह देश का प्रमुख सांस्कृतिक संस्थान बन चुका है तथा विश्व में संस्कृति व शिक्षा को जोड़ने के क्षेत्र में कार्यरत संगठनों में अपनी तरह का एक अनूठा संगठन है। सीसीआरटी, देश की सांस्कृतिक विरासत संबंधी जागरूकता लाने के लिए ऐसी कार्यप्रणलियाँ तैयार करता है, जिनके द्वारा देश के बच्चों के लिये शिक्षा को अधिक सार्थक बनाने के लिये संस्कृति का आधारभूत उपयोग किया जा सकता है। देशभर के शिक्षक/शिक्षिकाओं व शिक्षक–प्रशिक्षकों के लिये सीसीआरटी द्वारा आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से सभी प्रकार की विकासात्मक गतिविधियों में संस्कृति की भूमिका पर बल दिया जाता है, जिनमें शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, गृह, चिकित्सा, कृषि, इत्यादि शामिल हैं। सीसीआरटी विद्यालयों तथा सरकारी व गैर सरकारी संगठनों के बच्चों के लिये विविध शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन करता है। इसके समुदाय एवं विस्तार पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत स्मारकों, संग्रहालयों, कला–वीथियों, शिल्प केन्द्रों, प्राणि–उद्यानों और वाटिकाओं के विशेष शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों हेतु आयोजित किये जाते हैं। साथ ही प्राकृतिक व सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, स्थानीय रूप में कम मूल्य पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए शिल्प–शिक्षण पर शिविरों का आयोजन, कलाकारों व विविध कला–रूपों के विशेषज्ञों, शिल्पियों द्वारा विद्यालयों में व्याख्यान–प्रदर्शन का आयोजन इसकी अन्य गतिधियाँ हैं। ये शैक्षिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के बौद्धिक तथा सौंदर्यात्मक विकास की आवश्यकता पर बल देती हैं।

सीसीआरटी अपने प्रकाशनों एवं श्रव्य–दृश्य सामग्री के द्वारा भारतीय कला एवं संस्कृति के विभिन्न पहलुओं के प्रति समझ और सराहना भाव उत्पन्न करता है। विषय विशेष पर आधारित सांस्कृतिक पैकेज, पुस्तकें, पुस्तिकाओं की शृंखला, फोलियो, पत्रिका तथा श्रव्य–दृश्य सामग्री, इत्यादि द्वारा भारत की समृद्ध संस्कृति के बारे में ज्ञान तथा संस्कृति को शिक्षा के साथ जोड़ने के संबंध में विचार प्रस्तुत किये जाते हैं ।

सीसीआरटी, भारत सरकार की राष्ट्रीय सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना कार्यान्वित करता है, जिसका लक्ष्य विविध कलात्मक क्षेत्रों में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करना तथा सुविधायें उपलब्ध कराना है। इसके तहत प्रतिवर्ष 620 छात्रवृत्तियाँ दी जाती हैं। 10 से 14 वर्ष के आयु समूह वाले शिक्षारत बच्चे या पारंपरिक कलारूपों से जुड़े परिवारों के बच्चे इस **राष्ट्रीय सांस्कृतिक छात्रवृत्ति** योजना में भाग लेने के पात्र हैं ।

सीसीआरटी अपनी वेबसाइट को समय–समय पर संशोधित करती रहती है। इसके लक्ष्य एवं उद्देश्यों के बारे में और अधिक जानकारी हेतु इसकी वेबसाइट **(www.ccrtindia.gov.in)** देखें ।

Centre for Cultural Resources and Training - An Introduction

The Centre for Cultural Resources and Training (CCRT) was set up in May 1979 by the then Ministry of Education and Culture, Government of India, to implement a Scheme of Propagation of Culture amongst students. Today, it has become one of the premier cultural institutions in the country and perhaps one of its kind in the world working in the field of linking education with culture and providing methodologies by which **Culture** can be used as a base for making education more meaningful for children. The training programmes which are conducted by the CCRT throughout the country for teachers and teacher educators stress on the role of culture in all the developmental activities which include Education, Science and Technology, Housing, Medicines, Agriculture, etc. The CCRT also organizes various educational activities for school children belonging to governmental and non-governmental organizations. Under its Extension and Community Feedback Programme the Centre organises special tours to monuments, museums, art galleries, craft centres, zoological parks and gardens, camps on conservation of natural and cultural heritage, camps on learning crafts using low cost locally available resources, lectures and demonstrations by artists and experts in various art forms and craft persons in schools. These educational activities emphasize the need for the intellectual and aesthetic development of the children.

The CCRT Productions in the form of publications and audio-visual materials aim at providing an understanding and appreciation of different aspects of Indian Culture. These includes theme based Cultural Packages, Books, Series of Booklets, audio-visual materials, etc. that provide knowledge on India's rich culture and ideas on how to link culture with education.

The CCRT implements the Cultural Talent Search Scholarship Scheme which aims at providing facilities to outstanding young children to develop their talents in various artistic fields. Under this scheme, CCRT awards about 620 scholarships every year. Children in the age group of 10-14 years studying in schools or belonging to families practicing traditional art forms are eligible to compete for this **national scholarship scheme**.

The CCRT updates its web-site (**www.ccrtindia.gov.in**) on regular basis. You may find out more information about its mission and programmes on the web-site.

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

15-ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली-110075

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

15-A, Sector-7, Dwarka, New Delhi-110075

सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब हेतु आवेदन-पत्र

सीसीआरटी, नई दिल्ली की एक योजना

APPLICATION FORM FOR THE CCRT CULTURAL CLUB
a scheme of CCRT, New Delhi

1. विद्यालय का पूरा नाम
   Full Name of the School (no abbreviations) …….....…….....
   पोस्ट
   Post …….....…….....
   ताल्लुक
   Taluk …….....…….....
   जिला
   District …….....…….....
   राज्य / संघ शासित प्रदेश
   State/U.T. …….....…….....
   पिन कोड
   PIN Code …….. …….....…….....
2. विद्यालय का प्रकार
   Type of School ……...…….....

   अ) प्राथमिक / माध्यमिक / उच्च / उच्चतर / अन्य
   a) Primary/Middle/Secondary/Sr.Secondary/others.....

ब) शहरी ग्रामीण
b) Urban ..... Rural .....

3. प्रधानाचार्य / मुख्याध्यापक का नाम
Name of the Principal/Head Mistress .....
दूरभाष संख्या / (एस.टी.डी. कोड न. सहित)
Telephone No. (with STD Code) .....
फैक्स संख्या
Fax No .....
मोबाइल नं.
Mobile No. .....
ई–मेल आई डी / विद्यालय आईडी
E-mail ID/ School ID .....

4. सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब के प्रभारी शिक्षक / शिक्षिका एवं सह– शिक्षक / शिक्षिका का नाम
Name of the Teacher In-Charge and Co-Teacher of the CCRT Cultural Club

(i)..... (ii).....

दूरभाष नं.
Her/His Telephone Contact No.

(i).....(ii).....

5. क्या प्रधानाचार्य अपने विद्यालय में सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब खोलने हेतु तैयार हैं? यदि हां तो क्या वह श्रव्य–दृश्य सामग्री के प्रयोग, खेल के मैदान, के उपयोग की सुविधा इत्यादि प्रदान करेंगे? हाँ / नहीं *
Yes / No.*

Whether Principal is agreeable to open the CCRT Cultural Club in his/her School and if so whether he/she will provide facilities for use of audio-visual programmes, play ground, etc.?

6. क्या विद्यालय सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब हेतु अलग कमरा / कक्ष उपलब्ध करायेगा? हाँ / नहीं *
Whether the school will be able to provide a separate room for the CCRT Cultural Club? Yes / No.*

7. विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या
Total number of students in your school…….....

8. सांस्कृतिक क्लब में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या
No. of Students to be enrolled in the Cultural Club …….....…

9. सांस्कृतिक क्लब की मीटिंग की संख्या — साप्ताहिक / पाक्षिक / मासिक
Frequency of Cultural Club Meetings: — Weekly/Fortnightly/Monthly

10. आप अपने विद्यालय में सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब क्यों खोलना चाहते हैं? (अपने शब्दों में लिखें)
Why do you want to start CCRT Cultural Club in your school? (write in your own words.)

11. सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब के अन्तर्गत आप किन नवीन रचनात्मक गतिविधियों को अपने विद्यालय में आरम्भ करेंगे?
Which innovative creative activities would you like to initiate as part of CCRT Cultural Club in your school?

12. सांस्कृतिक शिक्षा के क्षेत्र में अपने विद्यालय की उपलब्धियों को बतायें।
Outline the past achievements of your school in the field of Cultural Education.

Please Note - **Centre's Terms & conditions apply for opening of CCRT Cultural Club in your school. CCRT reserves the right to open and close the Cultural Club Scheme as per its own decision.**

कृपया ध्यान दें– विद्यालयों में सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब खोलने हेतु केन्द्र के नियम एवं शर्तें लागू होंगी। सांस्कृतिक क्लब योजना को आरम्भ या निरस्त करने का अधिकार सीसीआरटी का है।

प्रभारी शिक्षक के हस्ताक्षर
Signature of the Teacher Incharge _____

सहशिक्षक के हस्ताक्षर
Signature of Co-Teacher _____

प्रधानाचार्य / मुख्याध्यापक के हस्ताक्षर (मुहर सहित)
Signature of Principal/Head Master (With Seal) _____

***** जो लागू न हो, कृपया काट दें।
Strike off, which is not applicable

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
नई दिल्ली

उपयोगिता प्रमाण–पत्र

वर्ष .... में सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब हेतु दी गई अनुदान राशि के खर्च का लेखा जोखा

क्र.सं.	मदों का ब्यौरा	राशि
1.	शिल्प कक्षाओं/व्याख्यानों/प्रायोगिक कक्षाओं के लिए मानदेय	
2.	स्टेशनरी सामग्री	
3.	गतिविधियों हेतु बुलेटिन बोर्ड/सूचना पट्ट	
4.	बैनर और सांस्कृतिक क्लब बोर्ड, (नाम, लोगो आदि सहित)	
5.	बैज और पत्रिका (पैंफ्लेट्स)	
6.	फोटोग्राफ्स/सी.डी.	
7.	अन्य खर्च	
	कुल	

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING
NEW DELHI

UTILIZATION CERTIFICATE

STATEMENT OF EXPENDITURE OF GRANT FOR CCRT CULTURAL CLUB FOR THE YEAR _____

S.No.	Item details	Amount
1	Token honorarium for craft classes/lectures/practical classes	
2.	Stationery Items	
3.	Bulletin board/Notice Board for Activities	
4.	Banner and Cultural Club Board (with name, logo etc.)	
5.	Badges and Pamphlets	
6.	Photographs/C.D.	
7.	Miscellaneous	
	Total	

केन्द्र की सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब योजना वर्ष _____ के लिए केनरा बैंक में आहरित ₹ 7500/– (₹ सात हजार पाँच सौ मात्र का डिमांड ड्राफ्ट सं._____ दिनांक _____ निदेशक, सीसीआरटी से प्राप्त किया।
बकाया राशि (यदि कोई हो) सीसीआरटी के निदेशक के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट सं./चेक सं. _____ दिनांक _____ के द्वारा वापस लौटाई गई।

प्रमाणित किया जाता है कि अनुदान राशि ₹ 7500/– सीसीआरटी सांस्कृतिक क्लब की गतिविधियों पर उपरोक्त बजट शीर्ष के अनुसार खर्च की गई।

रसीदी टिकट चिपकाएँ

शिक्षक प्रभारी/सह शिक्षक के हस्ताक्षर

शिक्षक प्रभारी/सह–शिक्षक का नाम

प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर (मुहर सहित)

प्रधानाचार्य का नाम

Received ₹ 7,500/- (Rupees seven thousand and five hundred only) from Director, CCRT
vide D/D No..... dated ..... drawn on CANARA BANK
Under the CCRT Cultural Club Scheme for the year.....

Unspent Money (if any) returned to CCRT through Bank Draft No./Cheque No.....dated.....
favouring Director, CCRT

Certified that the grant of ₹ 7,500/- is spent on the above budget heads under the CCRT Cultural Club's activities.

Affix Revenue Stamp

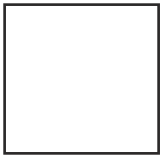

Signature of Teacher-Incharge/Co-teacher

Name of Teacher Incharge/Co-teacher

Signature of Principal (with stamp)

Name of the Principal

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

Centre for Cultural Resources and Training

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

(Ministry of Culture, Govt. of India)

15A, Sector-7, Dwarka, New Delhi - 110075 India

Phone : 011-25309300

E-mail : dir.ccrt@nic.in, Website : www.ccrtindia.gov.in